इ. वि. का. राजवाडे संशोधन मंडळ धुळें.

—: हस्त लिखित ग्रंथ संग्रह :—

ग्रंथ क्रमांक ४६१२५ (७९६)

ग्रंथ नाम प्रमाणे मापने

विषय म० गद्य

"Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai."

श्री

श्रीगणेशायनम:

श्रीसरस्वत्यैनम:

श्रीगुरुभ्योनम:

श्रीकुलदेवताभ्योनम:

" Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai. "

(२)

१	संस्थान [illegible]	पत्र १
१	संस्थान [illegible]	पत्र ३ ४
१	संस्थान [illegible]	पत्र ५
१	संस्थान [illegible]	पत्र ६
१	संस्थान [illegible]	पत्र ७
१	संस्थान [illegible]	पत्र ९
१	संस्थान [illegible]	पत्र १०

(2A)

१	संस्थान [illegible]	पत्र १२
१	संस्थान [illegible]	पत्र १३
१	[illegible]	पत्र १४
१	[illegible]	पत्र १५
१	[illegible]	पत्र १६
१	[illegible]	पत्र १७

(2B)

१	[illegible]	पत्र १७
१	[illegible]	पत्र १८
१	संस्थान [illegible]	पत्र १८
१	[illegible]	पत्र x ४३
१	[illegible]	पत्र x २०
१	[illegible]	पत्र २२
१	[illegible]	पत्र २६ २७
१	[illegible]	पत्र २८
१	संस्थान [illegible]	पत्र २९
१	संस्थान [illegible]	पत्र ३०
१	[illegible]	पत्र ३१
१	[illegible]	पत्र ३२
१	[illegible]	पत्र ३३
१	[illegible]	पत्र ३४
१	[illegible]	पत्र ३५
१	[illegible]	पत्र ३६
१	[illegible]	पत्र ३७
१	पुणे	पत्र ३८
१	मुंबई	पत्र ३९
१	[illegible]	पत्र ४०
१	[illegible]	पत्र ४१

(३)

[illegible]

श्री

श्रीमन्महाराज राजश्री

छत्रपती

स्वामीचे सेवेसी

(3A) [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(3B) [illegible]

श्री

श्रीमंत सौभाग्यवती [illegible]

[illegible]

[illegible]

(3C) [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(3D)

श्री [illegible]

[illegible]

श्री [illegible]

[illegible]

[illegible]

(3E) [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(3F)

श्री [illegible]

[illegible]

[illegible]

(1)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

" Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai. "

(5) ७

अस्यालाधेषु २

॥श्री॥

श्रीमंतश्री १०८ महाराजाधीराज श्री महा

राणाजीसाहेब साहेबाचे सेवेसी

आज्ञाधारक गणपतराव वीठल कृताने कजे मुजरावी

(5A) ज्ञापना तागाईत श्रावण सुदी १० परीयंत श्रीहुजुरचे

कृपावलोकने करून वर्तमान यथास्थीत जाणुन स्व

कीयानंद लेखनास आज्ञा होत असी ली पाहीजे वीशे

ष वहोत दीन हुये श्रीहजुरके मीजाजकी खेर आफीयत

(5B) का हाल मेहरबानीके राहासे फरमाने मे नही आया ई

सबबसे ह्मारे तबीयतमे फीकर पेदा हुई है सो श्रीहुजुर

कृपा करके इसफीकर कु दुर फरमावे

सेवक लायक बंदगी फरमायरू काई नायत होवे र।छ

श्राध्येयेठी पारमाथे

१ उम्मसाप श्रीमंत श्री १०८ महाराजाधीराज श्री

महाराणाजी साहेबके खीदमतमे पहुचे

(5C) १ खलीता कीनखापी भरगची गोफनी मजरी चा-

Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai joint project

१ आच्छामुखमंजनीचा सफेत

१ कागद सुनेरी टीकली चा- मागे फीरउनी लीहुनये

१ लीफाफ्याचा कागद साधा

॥ श्री ॥ उमराव

(5D) सीध श्री बेदला सुभसुथाने कसरव ओपमा लायक

राजमान्य राजेश्री रावजी बखतसींघजी जोग लीषी

ईदोरसु गणपतराव वीठल श्रीरघुनाथजी की बांचसी

आगरा समाचार श्रीजीरी कृपासु करने भला है आ

पका सदा भला चाहीजे अपंच

(5E) आगलायक काम काज होवे सो ली खाव सी पे घर आ

पको है हुजी बात जाणसी नही भारी ... १७

अंति १८०० प्रोधे वाप राजमान्य राजेश्री रावजी ब ष

तसींघजी जोग- श्री बेदला पहोचे

॥ श्री कारवारी

सीध श्री ईदोरसु भसुथाने कसरव ओपमा लाय

(5F) क राजमान्य राजेश्री नाव जोगली षी ईदोरसु ग

णपतराव वीठल श्रीरघुनाथजी री बंचजो

८

(6) ॥ श्री ॥

सीधश्रीउदैपुरसुभसुथानेकसरवओपमालायक
राजमान्यराजेश्रीगकोरउदैरामजीतेजरामजीजो
गलीखीइंदोरसुगणपतरावबीठल श्रीरघुनाथजी
रीपेचजोअगरासमाचारश्रीजीरी कृपासुकरने
भलाहेआपकासदाभलाचाहीजेअपंच
(6A) लागलायककामकाजहोवेसोलीखजो मीती
उंनी मीतीवाग राजमान्यराजेश्री ठाकरउदैराम
जीतेजरामजीजोग श्रीउदैपुरपहोचे

॥ श्री ॥

सीधश्रीउदैपुरसुभसुथाने उपमाराजेश्रीपंचोली
(6B) जीलषेचंदजीजोगलीषीइंदोरसुगणपतरावबी
ठलजेगोपालपंचजोया हाकासमाचारभला
हेवहाकाभलाचाहीजेअपंच
लागलायककामकाजहोवेसोलीषजोमीतीपि
श्राशुगक उनी १८८ मीतीमाघ राजेश्री
(6C) पंचोलीजीलषेचंदजीजोगश्रीउदैपुरपोहोचे

॥ श्री ॥

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

सीधश्रीउदैपुरराजेश्रीगोपालसींघजीजोगलीषी
इंदोरसुगणपतराव बीठलरामरामबंचनायाहाका
समाचारभलाहेतुमाराकुशललीषतेजानाअपंच
मातम्पियमीतीशुगक उनी १८८ मीतीमाघराजेश्री
(6D) गोपालसींघजीजोगश्रीउदैपुरपोहोचे

॥ श्री ॥

सीधश्रीउदैपुरसुभसुथानसरवोपमालायक
राजमान्यराजेश्री ठकरतेजरामजीजोग श्रीइंदो
रसुलीखीगणपतरावबीठलजेश्रीरघुनाथजी
कीवाचसीअठारासमीचार श्रीजीनीहमा
सुकरणेभलाहे आपणका भलाचाहीयेहेलेकलोस
दारखोडोअीणसुइयादारखावसीआपरंच
औरआवलायककामकाजहोयसोलीखावरी
मीती-संमत - लखोय्यावरनाव राजश्रीतेजराम
(6E) जीजोगश्रीउदैपुरपोचे

॥ श्री ॥

सीधश्रीउदैपुरसुभसुथानसरवोपमाराजमान्यरा
जेश्री मेहेताजीगोपालदासजीजोगलीखी श्रीइंदो
रसुगणपतरावबीठलजे श्रीरघुनाथजीकीवाचसी
अठारासमीचारश्रीजीरीकीरपासुकरणेभलाहेआ
पकासदाभलाचाहीजेहेलेकलासदारखोहेजीपु
(6F) सुआद्दारारखसीआपरंच
आवलायककामकाजहोयसोउखावसीयेधरआ
पकाहेमीती उनी लखोय्यावरनाव राजेश्रीमेहेताजी
गोपालदासजीजोगउदैपुरपोहोचे

(7)

[illegible]

श्री

राजश्री [illegible] स्वामी

श्री राम[illegible] गोसावी [illegible]

(7A) [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(7B) [illegible]

राजश्री [illegible] स्वामी

श्री राम[illegible] गोसावी [illegible]

[illegible]

[illegible]

(7C)

" Joint project of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai. "

९

(8)

ऊॅरस्पाणागणंग

॥श्री॥

स्तीयश्रीनरसींगरस्तुभस्तुथानेकसरव ओपमालायक

राजमान्यराजेश्री महाराज हनवंतसींघजी जोगली

षीइंदोरस्तुगणपतराववीठलजे श्रीरघुनाथजीका

बांचसी अठारासमाचारभलाहे आपकारसदामला

(8A) चाहीजेहे तरखिलासरख षोहोजी एरसुजादारषो

वसीअपंच

अठारलायकउकामकाजलीषावसीयेघरआपको

हेमितीमगसरसुद्ध १८२० ईपेमा

राजमान्यराजेश्री महाराज हनवंतसींघजीजो

(8B) गपालेचे

[illegible]

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal and the Yashwantrao Chavan Pratishthan Mumbai.

(9)

ऐस्थारजीरलाम

श्री

नमश्रीमघनमश्रीपठीकनीमाष

[illegible]

9A ० [illegible]

[illegible]

मरलपनेरोठेर्यास[illegible]

परीामुम्लर्एनिरठेरोपास्वीरभेयामस्व[illegible]

[illegible]

[illegible]

पाणीने [illegible]

9B ल्जो [illegible]

[illegible]

॥श्री॥

सीधश्रीरलम्यम सुभसुथान सरवोपमालयकराजे
श्रीमाजीसाहेबमोवनाणावसजीसाहेबजोगउिसी
श्रीहरिरसुगणपतरावबीरछजे श्रीरघुनाथजीकेवाच
सीआटारासमाचारश्रीजीरीकीरपासुभलाहे आप
कासदामलाचाहीयेआपमाहारीधणीवातछोइतम
कलासरावोहोजीपासुआदाराखजो आपरंच
9C आगलायककामकाजहोयसोलीखावसीयेयु[illegible]
हेमीती संमत [illegible] रनावराजेश्रीमाजी

साहेबमोवराबलजीसाहेबजो [illegible] लम्यमपोचे

॥श्री॥

सीधश्रीरलम्यमसुभसुथान सरवोपमालायकराज
श्रीराणीजीसाहेबमहयाणीजीजोगउिहीरसुगण
रावबीरछजेश्रीरघुनाथजीकीव[illegible]
9D [illegible]

॥श्री॥

सीधश्रीरलामसुभसुथानराजमान्यराजेश्रीब
करवकावरजीगजीजोगउिहीरसुगणपतराव
वीरछजेश्रीरघुनाथजीमान्वजोआद्याकासमाचा
रश्रीजीरीकीरपासुभलाहे आपकासदामलाचा
हीजेहेतयेकलासरावोहोजीपासुआदाराखसीआ
परंच आगलायककामकाजहोयसोलीखावसी
[illegible] [illegible] [illegible] राजेश्रीबकरवका
9E वेरचीयजीजो [illegible] लम्यमपोचे

॥श्री॥

सीधश्रीरलमुसुभसुथानराजमान्यराजेश्री [illegible]
[illegible] रलालजीजोग [illegible] गणपतरवबीरछजेर
मसकारबंचनाआगकासमाचारश्रीजीरीकीरपा
सुभलाहेआपकालवाहीयेहेलयेकलासुरावोहे
जीपसुआदाराखसीआपरंच [illegible] [illegible]

॥श्री॥

सीधश्रीरलम सुभसुथानराजेश्री कोठारीघासी
रामजीजोग [illegible] सुगणपतराव बीरछजेरघुना
थजीकीबाचनाआटारासमाचारभलाहे थारा
9F [illegible] हीजेहेतयेकवासरावोहोजीपसुआदारा
खजोआपरंच [illegible] [illegible] [illegible]

॥श्री॥

ऐलाकवालीलसरदारलोकास

८

(10) ॥श्री

सीधश्री फ्लेउ सुलसुथान राजमान्य राजेश्री यकस्व
दन सींपजी जोग्य लिखीतं हो सुगणपतराव वीटल जेश्री
रघुनाथ जी की वा. चसी श्राठ कास माचार श्री जीरी
कीरपा सुं भला है आपका सदा भला चाहीजे आपरंच
हामेसा सुख समाचार आयाचाहीये आपाठाय
कहा मफा म होय सो लिखावसी मीत ...

॥श्री॥

सीधश्री जामपसुलसुथा राजमान्य राजेश्री टाक्रस्स
(10A) दसींपजी जोग्य लीखीतं होर सुगणपतराव वीटल जेश्री
रघुनाथजी की वाचसी श्राठ कास माचार श्री जीरी
रहासुंखरने भला है आपका सदा भला चाहीजे आ
परंच श्रीजीरी - हामेसा सुख समाचार लिखावो
जे केवार आपाठाय क काम काज होय सो लिखावसी
मीत ...

॥श्री॥

सीधश्री सरवणसुलसुथान राजमान्य राजेश्री टाकर
(10B) मानसींपजी जोग्य लीखीतं होर सुगणपतराव वीटलजे
श्रीरघुनाथजी की वाचसी आयाश्रा समाचार श्रीजी
रीक्रारपासुं भला है आपका सदा भला चाहीजे आप
रंच - हामेसा सुख समाचार आया चाहीये और
ठाय काम काज होय सो लिखावसी मीत ...

॥श्री॥

सीधश्री ... सुलसुथान सरवोपमा ...
राजमान्य राजेश्री माहाराज सरदार सींपजी जोग्य
(10C) लीखीतं होर सुगणपतरावनीटल जेश्री रघुनाथजी की

वाचसी आयातारा समाचार श्रीजीरी कीरपासुं क
रने भला है आपका सदा भला चाहीजे आपरंच
हामेसा सुख समाचार लिखावसी आपाठाय क काम
काज होय सो लीखावसी मीत ...

॥श्री॥

सीधश्री आमलेग सुलसुथान सरवोपमा राजमान्य
(10D) राजेश्री माहाराज फतेसींघजी जोग्य लीखीतं होर सुग
पतराववीटल जेश्री रघुनाथजी की वाचसी आया
समाचार श्रीजीरी कीरपासुं भला है आपका सदा भ
ला चाहीजे आपरंच - हामेसा सुख समाचार आ
याचाहीजे मीत ...

Joint project of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

11

उस्मानसखारामपंत्

11 श्री

11

राजश्री सखाराम राजश्रीचीरम

श्रीगोपाळपंतजी

अखंडितलक्ष्मीअलंकृतविराजीतराजमान्य

11A राजश्रीसखाराम स्नेहपूर्वक

मलिकपंतोरिलिखीतपत्रसदरहुकरावेदमीन

परेमुखमनरदरकानकीय्यस्वामीसमाचारस्यमीच

पत्ररामकुशलपत्रपाठवीलेहोते

उपीपत्रस्वराकानस्वामीमतलजीवदेतोकपीतगेल

पाठोपोहोचलकुशलोकांचाप्राप्तहोवीअंम

चिठामनराममाचागोककेफीकयाकासुंअसेर

॥ श्री ॥

साधश्रीसखारामपारप्रसुकसुथानुराजमान्यराजेश्री

11B बाळाजीपंडीरामजीजोसलीकीश्रीघ्येहोनसुगणपतराव

वीठलजयश्री कृष्णबाबसीआठारासमाचारश्री

जोरी कृपासुकरनेकलाइेआपकासमाचारकला

चाहीजेहेलर्येमुलकासरामेहोजीगसुआहेरावरीअ

परंतु

11C

(12)

पैस्तयाद्दाखीले

॥श्री॥

सीध श्री साबुना सुलतुसुथान सरवोपमालायक सहान
ञमानुराजेश्री माहाराजगोपालसींग जीउ जोग लीखी
ईहोर सुगरापलरावबीठल जे श्री रघुनाथजीकी बाचना
अठाकासमाचार श्रीजीरी कीरपासु करने ल्लाके
आपकासदा लल्या चाहीजे अपमाहारी धणी बाल
(12A) हलये कलासगाधोहोजीरा सु जाहा स्वभावजो आग
च - और अब लायक काम काज होय सो
लीखावसी थे घर आपडो है मीती
१ पलीलाकीनपापी बुटीहार हालकावर आ
करासफेल मुखमंजनी चागोफनीमजरीच
१ लीखोखयानरनावराजेश्री माहाराजगोपाल
सींघजी साबुवपोचे

॥श्री॥

(12B) सीध श्री साबुवासुलसुथान सरवोपमालायक राज
श्री माजीसाहेब वाघेलाजी जोग लीखी ईहोर सुग
रापलरावबीठल जे श्री रघुनाथजी बाचसी
आगे मीती
१ पलीलासदरी प्रमाणे
१ लीखीयानरनावराजेश्री माजीसाहेब वा
(12C) घेलाजी

"Joint project of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai."

(13)

५

॥श्री॥

सीधश्री स्ता बुवासु स्थान स्नरवे ग्रमाल्यकराजेश्री
राणीसाहेब श्रीसोसाहुणीजी साहेब जोग लीहीर्ज
दार सुगण फलराव वीठल ज्ञे श्री रघुनाथजी कीवावसी
क्याटा कासमाचार श्री जीरीकीरपाकरने लड़ंहे आ
पकासदा कलचाहीये आपमाहारी घरीचालछे हे
लयक लासनावे हे जी एासु आदार धावज्ञो आपरंच
=ब्योरल्याटा लायक कामकाजहोयसो लीवावसी
येघर आपकाहे [illegible]

(13A) । मलालाकीन बापी बुटीहार लडकाव रज्या
दरास फेल मुखमंडनी चागोफनी मजरीया
।

॥श्री॥

सीधश्री स्ता बुवासु लसुथाने राजमान्य राजे श्री मुनसी
जी ज्वाला परसाद जी जोग लीखी र्य दोसुगण फलराव
(13B) वीठल्ल्या मराम बंचजो या इका समाचार लड़ाहे आप
कास दाकलाचाहीजे आपरंच
ऐलयक लासरावोहो जीएासुआदारापजो राजासाहेब
कु बीवलापर पधार ऐकीजर रकरावजो [illegible]
टाका वाम्या वर राजश्री मुनसीजी ज्वाला परसाद जीजा
गसा बुकफोवे

श्री

(13C) रक्तनीयाण्यानीन [illegible]
हौभनीस्वमाजीवर्णी

पोरगान्जी [illegible] परमेरोवे चीरै
[illegible] [illegible] [illegible]
[illegible]
(13D) [illegible]
[illegible]

Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai
"Joint project of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai"

(15) १२

उँस्पमजजजा

।। श्रीपरमेसरजी

१।। सीधश्रीवारसवाडासुभस्थानसरवोपमालायकश्री

जमान्यराजेश्रीमल्हारावजीसाहेबलछमनसींघ

जीजोग्य श्रीईदोरसुलीषीगणपतरावबीठलजोसी

रघुनाथजीकीवाचसीअठारासमाचारश्रीजीरीकी

रपासुकरनेभलाहेआपकासदाभलाचाहीजेआपु

च - हामेसाआपकासुषसमाचारलीषाआप

(15A) सेहमाराहीतकुसुसीरहेगीआपलायककामकाज

होवेसोलीषलेना [illegible] इधरआपकाहेहमेसामेहेरबान

रषाचाहीजे मीती [illegible]

। षलीताकीनकलपुरेदारबरआलवासफेन

मुषमंडनीचेफेनीमजरी

। लडषोपावरराजमान्यराजेश्रीमाहाराजेश्री

(15B) माहारावजीसाहेबलछमनसींघजोहोइमु

पोहोचे

" Joint Project of Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai. "

(15)

उस्वाप्रतापगड

श्री

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(15A)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(15B) [illegible]

[illegible]

Joint project of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai

[illegible] सुथान [illegible] राजे [illegible]

डावंरजी [illegible] होर [illegible]

[illegible] कालसमाचार [illegible]

[illegible] लवकर [illegible]

होईल [illegible]

(15C) [illegible] काम काज होय सो [illegible]

[illegible] राजेश्री [illegible]

[illegible]

(16)

उरस्यामउलाघ

॥श्री॥

सीधश्रीरनकुवरसुलसुथानसरबोपमाल्लायकरा
जमान्यराजेश्रीमहारावलजीकेसरीसींघजीजो
ग्यश्रीर्णेरसुलीखीगणपतरावबीठलजेश्रीरघु
पजीकीबाचसीअपराकासमाचारश्रीजीरीकीरपा
सेभलाहेआपकासदाभलाचाहीजेराजद्वारीघणा
बालछोहेलर्थकासदाखोलोजीएसुआहारावसी
16B अभेच — हेतमेहेरबानगीराखोलोजीइणसु
आहारबावसी अपलायककामकाजलोवेसोली
खावसी मीतं
ल्लोकोख्यावरनाव — राजश्रीमहारावलजी केसरीसीं
घजी जोग्य — सलुवरपोहोचे

A project of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

(17)

ऐस्याराजलामेग

॥ श्री ॥ ८

स्वाधश्रीसीलामडुसुभसुथानस्वरवोपमालायक
राजमान्यराजेश्रीमाहाराजराजसींघजीजोग्यश्री
छेहोसुगिगणपतरावबीटलजेश्रीरघुनाथजीकीवा
चसीआठाकासमाचारश्रीजीरीकीरपासुकरने
(17A) त्लालेआपकासदाकलाचाहीजेलेनयेकलासर
षानेहोजोएसुआहारावसीआपकासुखसमाचा
रहुामेसाआयासुलामादीलखुसीरहेगाओर
आठालायकहामकाजहोयस्तोलिखावसी मीती
त्लाषोयावरनाब राजमान्यराजेश्री माहाराजराज
सींघजीजोगसीलामडुपोचे

॥ श्री ॥ कारवारी

(17B) सीधश्रीसीलामडुसुभसुथानेराजमान्यराजेश्रील
लालुलासरायजीजोग्यलीखीछेहोरसुगणपतरावबी
टलजेश्रीरघुनाथजीकीवाचसीआठाकासमाचा
रलखाहेआपकासदाकलाचाहीजेलेनयेकलासराख
होजीएसुआहारावसीहामेसाखेरखुसीकासमाचार
लीषेलजानाअवर – आठालायककामकाजहो
यसोलिखेलजाना मती

(17C) त्लाषोयानरनानराजेश्रीलालाहुलासरायजीजोग्य
सीलामडुपोचे

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

(18) १९

उस्थमरुला

॥ श्री ॥

सीधश्रीसकलगुणालंकरण अखंडीत लक्ष्मी अलंकृत राजमान्य राजेश्री मल्हारराव होलकर स्वामीचे सेवेसी
मान्यराजेश्रीमल्हारराज दुळेसीघजीजोग्य लीखी
र्‍ीदोरसुगणपतरावबीरतकजेश्रीरघुनाथजीकीवा
चसीव्यागङासमाचारश्रीजीरीकीरपासुकल
(18A) ईल्यफकासदावलाचाहीजेहेतुयेकलासराघो
होजीगसुजाहारावसीअपफकासुषसमाचारआ
यासुहामारादीलवुसीडागाओर
आयालायककामकाजहोयसोलीषावसीयेपरल्या
पकोहे मम छ८
लखोत्यावरराजमान्यराजेश्रीमल्हाराजदुळेसीधजी
जोग्यसलकाणाकुपोचे

॥ श्री ॥

(18B) सीघश्रीसकलगुणालंकरणअखंडीतलक्ष्मीअलंकृतरा
जेश्रीमाजीसाहेबबाघेलीजीजोग्यलीखीश्रीर्‍ीदोरसु
गणपतरावबीरतकजेश्रीरघुनाथजीकीबाचसीआ
रासमाचारश्रीजीरीकीरपासुकलाहे आपकासदव
लाचाहीजेआपमहारीषगीवालकोहेलयेकलास
राघोहोजीगसुजाहारावओलगंथ
और आयालायककामकाजहोयसोलीषावसीयेपर
अपकाहे मम छ८
(18C) लखोत्यावरराजेश्रीमाजीसाहेबबाघेलीजीजो
ग्यसलकाणाकुपोचे

॥ श्री ॥ कारबारी

सीधश्रीसकलगुणालंकरणअखंडीतराजमान्यराजेश्रीकोठारी
चंदनसींगजीजोग्यलीखीश्रीर्‍ीदोरसुगणपतरावबीर
तकजेगोपालबाचसीआयाकासमाचारश्रीजीरीकी
रपासुकलाहे अपकाकलाचाहीजेहेलयेकलासराघो
होजीगसुजाहारावसीअपरंचश्रीजीरीकीरपासु
(18D) हामसाकागदसमाचारलीषावजोआयालायककाम
काजहोयसोलीषावसी मम छ८
लखोत्यावरराजेश्रीकोठारीचंदनसीगजीजोग्यसल
काणाकुपोचे

॥ श्री ॥

सीधश्रीसकलगुणालंकरणराजेश्रीगोस्वामीरघुना
थजीजोग्यलीखीश्रीर्‍ीदोरसुगणपतरावबीरतकनम
स्कारबाचसीआयाकासमाचारश्रीजीरीकीरपासु
कलाहे अपकाकलाचाहीजेहेलयेकलासराघोजीअंघ
(18E) व — और आयालायककामकाजहोयसोलीषावसी
मम छ८
लखोत्यावरनावराजेश्रीगोस्वामीरघुनाथजीजोग्यसल
काणाकुपोचे

Joint project of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai

ऐस्याम छीगीगड छला ग्रथ

॥श्री॥

सीधश्री बखलगड सुभसुथान राजमान्य राजे श्री याकर
लगवंल सीधश्री जोग्य लीखी श्री ऐदोर सु गणपतराव
बीठलकेर श्री रघुनाथजी की बाचनी आपा का समाचा
र श्री जीरी कीरपा सु भला है आप का भला चाहीजे
हेल यक लास रापो हो जीए सु आहार पडो आपस
हो मेरा सुख समाचार लीखवारी जो मीती अंप

१ लखो पवार राजे श्री याकर लगवंल सीधश्री
जोग्य बखलगड पोचे

१ पत्रीला लाल आवल सीगो फसाथा लालरे
हामी फुदहार

"Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai."

मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००१ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com